दैनिक नव दुनिया, भोपाल
9 MAR 2013

अच्छा काम कर रहीं पिछड़े राज्यों की सरकारें: मनमोहन

मप्र की सफलता से पीएम खुश

प्रदेश के कांग्रेसी सांसदों को रास नहीं आई बेबाकी, दिग्विजय को दिया विकास का श्रेय

ब्रजेन्द्रनाथ सिंह >> नई दिल्ली

कांग्रेस नेता भले ही मध्यप्रदेश में विकास को आंकड़ों की बाजीगरी कहें, लेकिन खुद प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने गुरुवार को संसद में मप्र की तारीफ कर उस पर अपनी मुहर लगा दी। हालांकि प्रधानमंत्री की यह बेबाकी प्रदेश के कांग्रेसी सांसदों को रास नहीं आई। भले खुलकर वे कुछ न कहें लेकिन दबी जुबान से जरूर कह रहे हैं कि चुनावी साल में प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी कांग्रेस को भारी पड़ सकती है।

प्रधानमंत्री ने राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बहस का जवाब देते कहा- मुझे बहुत खुशी है कि कुछ बीमारू राज्य बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। मुझे बताया गया है कि इन राज्यों में बिहार की विकास दर सर्वाधिक है। वह चाहे बिहार हो या मध्यप्रदेश, ये ऐसे राज्य हैं जो पिछड़े थे। जनता और सरकारें प्रभावी तरीके से पिछड़ेपन की समस्याओं से लड़ रही हैं। इसमें वे यदि सफल हो रहे हैं तो उनकी इस सफलता पर हम सब बेहद खुश हैं। उन्होंने लगे हाथ यह भी जताया कि इन राज्यों के विकास में केंद्र सरकार की भी अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कृषि विकास योजना और राष्ट्रीय खाद्य

सुरक्षा विधेयक ने पिछड़े राज्यों में अपना प्रभाव छोड़ा है, जिस पर हम हर्ष कर सकते हैं। खासकर कृषि के क्षेत्र में विकास प्रक्रिया के सकारात्मक परिणाम दिखाई देने लगे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा-मैं मानता हूं कि और अधिक किया जा सकता है और किया जाएगा। हमारी सरकार किसानों की जरूरतों के प्रति गंभीर रहेगी। आपदाओं का सामना करने के लिए हम राज्य सरकारों के साथ काम करेंगे।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने इससे पहले बुधवार रात को ट्वीटर पर लिखा था- तथाकथित बीमारू राज्यों- बिहार, मप्र, राजस्थान और उप्र ने अच्छा प्रदर्शन किया है। इस पर पीएमओ ने 2005-06 के तुलनात्मक आंकड़े भी दिए हैं। इसके मुताबिक 2005-06 में मप्र के विकास की दर 4.6 फीसदी थी जो 2010-11 में बढ़कर 8.8 पहुंच गई। इस सूची में हालांकि मध्यप्रदेश का नौवां स्थान है।

प्रदेश के कांग्रेसी सांसदों को प्रधानमंत्री द्वारा मप्र सरकार की तारीफ रास नहीं आई। कुछ सांसदों ने यहां तक कहा कि जब प्रधानमंत्री ने ही प्रदेश सरकार को सर्टिफिकेट दे दिया है तो हम कैसे वहां प्रदेश सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलेंगे। धार से सांसद गजेंद्रसिंह राजूखेड़ी ने कहा-प्रधानमंत्री ने निष्पक्ष भाव से तारीफ की है। लेकिन मप्र में विकास का बीज दिग्विजय सिंह के जमाने में बोया गया था, जिसे आज की भाजपा सरकार काट रही है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि विकास में केंद्र का बड़ा योगदान है। प्रदेश सरकार को तो इसे स्वीकार करना चाहिए।

वहीं उज्जैन से सांसद प्रेमचंद गुड्डु ने कहा-प्रधानमंत्री ने बगैर भेदभाव के खुले मन से बात रखी है, वह चाहे पक्ष हो या विपक्ष, भाजपा हो या जदयू। यह अच्छी राजनीतिक परम्परा है।